भारत सरकार और चेकोस्लोवाक समाजवादी गणराज्य की सरकार के बीच हवाई व्यवस्थाओं से सम्बन्धित क़रार

भारत सरकार और चेकोस्लोवाक समाजवादी गणराज्य की सरकार, जिन्हें इसके बाद 'क़रार करने वाले पक्ष' कहा गया है,

हवाई व्यवस्थाएं चलाने के लिए एक क़रार करने की इच्छा से, नीचे लिखी बातों पर सहमत हुई हैं :

अनुच्छेद 1

क़रार करने वाले पक्ष सहमत हवाई व्यवस्थाएं चलाने के उद्देश्य से एक दूसरे को इस क़रार और उसके अनुबंध में निर्दिष्ट अधिकार देते हैं ।

अनुच्छेद 2

1. क़रार करने वाले जिस पक्ष को इस क़रार और उसके अनुबंध के अधीन अधिकार मिल चुके हों, वह अपनी इच्छानुसार, तत्काल या बाद में सहमत हवाई व्यवस्थाओं को आरम्भ कर सकता है, लेकिन इस के लिए निम्नलिखित शर्तें होंगी :

   (क) क़रार करने वाले जिस पक्ष को अधिकार दिये गये हों, वह सहमत हवाई व्यवस्थाओं को चालू करने के लिए एक हवाई कम्पनी को नामज़द कर दे ;

   (ख) क़रार करने वाला दूसरा पक्ष नामज़द हवाई कम्पनी को उचित परिचालन-अनुमति दे दे ।

2. यदि किसी स्थिति में क़रार करने वाला कोई भी पक्ष इस बात से आश्वस्त न हो कि नामज़द हवाई कम्पनी का वास्तविक स्वामित्व और प्रभावी नियंत्रण क़रार करने वाले दूसरे पक्ष या उसके राष्ट्रिकों के हाथ में है, तो उसे अधिकार होगा कि वह उस हवाई कम्पनी की नामज़दगी को स्वीकार करने से इन्कार कर दे और प्रस्तुत क़रार और उसके अनुबंध में निर्दिष्ट अधिकारों की स्वीकृति को रोक दे या रद्द (रिवोक) कर दे अथवा इन अधिकारों के प्रयोग के सम्बन्ध में ऐसी शर्तें लगा दे जिन्हें वह आवश्यक समझे ।

अनुच्छेद 3

1. क़रार करने वाले एक पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी को अधिकार होगा कि वह क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के भू-भाग में निम्नलिखित का उपयोग करे :

(क) यातायात के उद्देश्य से इस क़रार के अनुबंध में निर्दिष्ट स्थानों पर सार्वजनिक उपयोग के लिए जिन हवाई अड्डों की व्यवस्था की गयी है और निर्दिष्ट हवाई मार्गों पर सार्वजनिक उपयोग के लिए जिन सहायक साधनों की व्यवस्था की गयी है ;

(ख) आपाती स्थिति में या किसी अन्य दिशा में उतरने की आवश्यकता होने पर, इस उद्देश्य के लिए उपलब्ध हवाई अड्डे या सहायक साधन ।

2. क़रार करने वाले एक पक्ष की वे विधियां, विनियम और अनुदेश जो अंतर्राष्ट्रीय विमान चालन के अंतर्गत परिचालित वायुयान या हवाई व्यवस्थाओं के उस के भू-भाग में प्रवेश करने या वहां से प्रस्थान करने अथवा उक्त वायुयान या हवाई व्यवस्थाओं के उस के भू-भाग में परिचालन से संबंधित हों वे क़रार करने वाले दूसरे पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी के वायुयान और सहमत हवाई व्यवस्थाओं पर लागू होंगे ।

अनुच्छेद 4

1. क़रार करने वाले हर पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी को क़रार करने वाले पक्षों के भू-भाग के बीच हवाई व्यवस्थाएं चलाने के उचित और समान अधिकार होंगे ।

2. निर्दिष्ट हवाई मार्ग पर क़रार करने वाले किसी पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी द्वारा परिचालित हवाई व्यवस्था की वहन-क्षमता, फेरे, वायुयान की किस्म, और हवाई व्यवस्था का प्रकार जैसे वह क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के भू-भाग से गुज़रने वाली है या वहां समाप्त होने वाली है --- इन सभी मामलों के विषय में नामज़द हवाई कम्पनियां पहले मिल कर निश्चय कर लेंगी और यह निश्चय तभी लागू होंगे जब कि वैमानिक प्राधिकारी इनका अनुमोदन कर दें । यदि क़रार करने वाले एक पक्ष ने किसी हवाई कम्पनी को नामज़द नहीं किया है, या नामज़द हवाई कम्पनियों में आपस में सहमति

नहीं हो पाती, तो वैमानिक प्राधिकारी समझौते का प्रयत्न करेंगे, और यदि इस प्रयत्न में वे भी असफल हों तो मामले को क़रार करने वाले पक्ष तय करेंगे ।

3. क़रार करने वाले किसी पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी द्वारा परिचालित हवाई व्यवस्थाओं की वहन-क्षमता या फेरे में वृद्धि के विषय में या वायुयान की किस्म या हवाई व्यवस्थाओं के प्रकार के परिवर्तन के सम्बन्ध में सबसे पहले नामज़द हवाई कम्पनियां आपस में तय करेंगी, और इसके सम्बन्ध में, मुख्यत: तीसरे और चौथे स्वतंत्र यातायात के आधार पर अथवा परस्पर सहमत और निश्चित किसी अन्य आनुषंगिक यातायात के आधार पर वैमानिक प्राधिकारियों का अनुमोदन आवश्यक होगा । यदि कभी क़रार करने वाले एक पक्ष ने किसी हवाई कम्पनी को नामज़द न किया हो, या नामज़द हवाई कम्पनियां आपस में सहमत न हो पाती हों, तो वैमानिक प्राधिकारी समझौते का प्रयत्न करेंगे, और यदि इस प्रयत्न में वे भी असफल हों तो मामले को क़रार करने वाले पक्ष मिलकर तय करेंगे । जब तक ऐसा समझौता नहीं हो जाता या मामला तय नहीं हो जाता तब तक वही व्यवस्था लागू रहेगी जो पहले से चली आ रही है ।

अनुच्छेद 5

क़रार करने वाले हर पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी को अधिकार होगा कि वह क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के भू-भाग में उतने तकनीकी और वाणिज्य कार्मिक रखे जितने कि परिचालित हवाई व्यवस्थाओं के लिए क़रार करने वाले पक्षों द्वारा पर्याप्त समझे जायें ।

अनुच्छेद 6

1. क़रार करने वाले दोनों पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी अपनी नामज़द हवाई कम्पनी को क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के भू-भाग के भीतर हवाई व्यवस्थाओं के परिचालन, उनके वहां से गुज़रने या रवाना होने के लिए दिये गये वर्तमान अधिकारों के संबंध में सूचनाओं का विनिमय करेंगे ; इनमें परिवर्तनों, संशोधनों और छूटों की सूचनाएं भी सम्मिलित होंगी ।

2. क़रार करने वाला हर पक्ष अपनी नामज़द हवाई कम्पनी से क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को समय-सारिणियों और टैरिफ़-अनुसूचियों और हुई तरमीमों की प्रतियां तथा सहमत हवाई व्यवस्थाओं के परिचालन से संबद्ध अन्य सभी सूचनाएं देने पर बाध्य करेगा ; इन में वे सूचनाएं भी सम्मिलित होंगी जो वैमानिक प्राधिकारियों को इस बात का विश्वास दिलाने के लिए आवश्यक हों कि प्रस्तुत क़रार की शर्तों का पालन ठीक ढंग से हो रहा है ।

3. क़रार करने वाला हर पक्ष अपनी नामज़द हवाई कम्पनी से क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को उक्त हवाई कम्पनी की हवाई व्यवस्थाओं द्वारा क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के भू-भाग में प्रत्येक मास ले जाये गये या वहां से लिये गये यातायात और इस यातायात को चढ़ाने और उतारने के स्थानों से संबंधित आंकड़े देने पर बाध्य करेगा ।

अनुच्छेद 7

क़रार करने वाले एक पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी के वायुयान को क़रार करने वाले दूसरे पक्ष के भू-भाग में जो ईंधन, मशीनी तेल, अतिरिक्त पुर्ज़े, सामान्य साज़-सामान और वायुयान की सामग्री डालनी पड़े या अंदर रखनी पड़े और जो उस भू-भाग के अंतिम हवाई अड्डे से रवाना होने तक वायुयान पर ही रहे, उसके सीमा शुल्क, निरीक्षण-फीस या ऐसे ही दूसरे प्रभारों के विषय में दूसरे पक्ष का व्यवहार इसी प्रकार की अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्थाओं में लगी दूसरी विदेशी हवाई कम्पनियों के साथ किये गये व्यवहार से कम अनुकूल न होगा : शर्त यह है कि क़रार करने वाला कोई भी पक्ष क़रार करने वाले दूसरे पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी को सीमा-शुल्क, निरीक्षण-फ़ीस या इसी प्रकार के अन्य प्रभारों में छूट या परिहार देने के लिए तब तक बाध्य न होगा जब तक कि दूसरा पक्ष भी पहले पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी को ऐसे प्रभारों में छूट या परिहार न दे दे ।

अनुच्छेद 8

क़रार करने वाला हर पक्ष अपने पास यह अधिकार प्रारक्षित रखता है कि यदि क़रार करने वाले एक पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी ने क़रार करने

वाले दूसरे पक्ष की विधियों और विनियमों का पालन नहीं किया हो या यदि दूसरे पक्ष के विचार में उक्त हवाई कम्पनी ने उन शर्तों को पूरा नहीं किया हो जिनके अधीन इस क़रार के अनुसार अधिकार दिये गये हैं, तो वह परिचालन-अनुमति को रोक सकेगा या रद्द (रिवोक) कर सकेगा या उस पर ऐसी उचित शर्तें लगा सकेगा जिन्हें वह आवश्यक समझे । सिवाय उस स्थिति के जब कि विधियों और विनियमों का पालन न किया गया हो, ऐसी कार्यवाई क़रार करने वाले पक्षों के बीच परामर्श होने के बाद ही की जा सकेगी ।

अनुच्छेद 9

यदि क़रार करने वाले किसी भी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी आवश्यक समझें तो प्रस्तुत क़रार के सिद्धान्तों के पालन और क़रार में निर्दिष्ट उपबंधों की क्रियान्विति के सम्बन्ध में आश्वस्त होने के उद्देश्य से क़रार करने वाले दोनों पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी आपस में परामर्श करेंगे । ऐसा परामर्श अनुरोध की तारीख से 60 दिन के भीतर आरम्भ हो जायेगा ।

अनुच्छेद 10

1. क़रार करने वाला कोई भी पक्ष किसी भी समय क़रार करने वाले दूसरे पक्ष को प्रस्तुत क़रार में ऐसी तरमीम करने का सुझाव दे सकता है जिसे वह आवश्यक समझे, जिस के अधीन क़रार करने वाले किसी भी पक्ष के अनुरोध की प्राप्ति की तारीख के साठ दिन के भीतर प्रस्तावित परिवर्तन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श आरम्भ हो जाना चाहिये ।

2. यदि किसी भी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी प्रस्तुत क़रार के अनुबंध में संशोधन करना आवश्यक समझे, तो क़रार करने वाले दोनों पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी इन संशोधनों के सम्बन्ध में आपस में समझौता कर सकते हैं । क़रार में संशोधन आरम्भ करने के लिए ऊपर पैरा 1 में जो उपबन्ध किये गये हैं वे अनुबंध में संशोधन करते समय लागू होंगे ।

3. इस अनुच्छेद के पैरा 1 का अनुसरण करते हुए जो विचार-विमर्श किया जाय उसके फलस्वरूप यदि प्रस्तुत क़रार की तरमीम पर दोनों पक्ष सहमत हों जायें तो यह तरमीम क़रार करने वाले दोनों पक्षों के बीच राजनयिक पत्र-व्यवहार द्वारा पुष्ट हो जाने पर लागू होगी ।

अनुच्छेद 11

1. यदि प्रस्तुत क़रार का अर्थ करने या उसे लागू करने के सम्बन्ध में क़रार करने वाले पक्षों के बीच कोई विवाद उठ खड़ा हो तो क़रार करने वाले पक्ष इस विवाद को आपस में बातचीत करके तय करेंगे ।

2. यदि प्रस्तुत क़रार के अनुबंध का अर्थ करने या उसे लागू करने के सम्बन्ध में क़रार करने वाले पक्षों के बीच कोई विवाद उठ खड़ा हो, तो क़रार करने वाले पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी आपस में बातचीत करके इस विवाद को तय करने का प्रयत्न करेंगे । यदि वे इसमें असफल हों तो इस विवाद को, क़रार करने वाले पक्षों के पास तय करने के लिए भेजा जायेगा ।

3. यदि क़रार करने वाले पक्ष आपस में बातचीत करके विवाद को तय करने में असफल हों, तो क़रार करने वाला कोई भी पक्ष प्रस्तुत क़रार द्वारा दिये गये अधिकारों को सीमित कर सकता है, रोक सकता है या रद्द (रिवोक) कर सकता है ।

अनुच्छेद 12

प्रस्तुत क़रार के प्रयोजन के लिए

(क) 'भू-भाग', 'हवाई व्यवस्था', अन्तर्राष्ट्रीय हवाई व्यवस्था', 'हवाई कम्पनी' शब्दों के आशय वही हैं जो अन्तर्राष्ट्रीय सिविल विमानन समय में -- जिस पर 7 दिसम्बर, 1944 को शिकागो में हस्ताक्षर हुए थे -- क्रमश: निश्चित किये गये हैं :

(ख) चेकोस्लोवाक समाजवादी गणराज्य के संबंध में 'वैमानिक प्राधिकारी' शब्द का आशय परिवहन तथा संचार-साधन मंत्रालय, सिविल विमानन विभाग से और भारत के संबंध में सिविल विमानन महानिदेशक, भारत से है और इन दोनों के संबंध में किसी ऐसे व्यक्ति अथवा निकाय से है जिसे उक्त प्राधिकारियों द्वारा इस समय किये जाने वाले कार्यों को करने का अधिकार दिया गया है ।

(ग) `सहमत हवाई व्यवस्थाएं ` और `निर्दिष्ट मार्ग ` शब्दों का आशय, अन्तर्राष्ट्रीय हवाई व्यवस्थाएं और इस क़रार के अनुबंध में निर्दिष्ट मार्ग है ।

(घ) `नामज़द हवाई कम्पनी ` शब्द का आशय वह हवाई कम्पनी है जिसके सम्बन्ध में क़रार करने वाले एक पक्ष ने क़रार करने वाले दूसरे पक्ष को यह सूचित किया हो कि वह हवाई कम्पनी सहमत हवाई व्यवस्थाओं का परिचालन करेगी ।

अनुच्छेद 13

इस क़रार के अनुबंध को क़रार का अंग समझा जायेगा और क़रार के सभी उल्लेखों में अनुबंध का उल्लेख भी शामिल समझा जायेगा, जब तक कि स्पष्ट रूप से अन्यथा निर्देश न कर दिया गया हो ।

अनुच्छेद 14

1. प्रस्तुत क़रार, क़रार करने वाले पक्षों की क्रियाविधियों के अनुसार सत्यांकन या अनुमोदन के अधीन होगा और सत्यांकन-पत्र तथा अनुमोदन-लेख का विनिमय यथासंभव शीघ्र किया जायेगा ।

2. प्रस्तुत क़रार सत्यांकन-पत्र और अनुमोदन-लेख के विनिमय की तारीख को लागू हो जायेगा ।

3. क़रार करने वाला कोई भी पक्ष दूसरे पक्ष को किसी भी समय इस बात का नोटिस दे सकता है कि वह प्रस्तुत क़रार को समाप्त करना चाहता है । इस नोटिस की सूचना साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन को भी भेजी जायेगी । यदि ऐसा नोटिस दिया जाय, तो क़रार करने वाले दूसरे पक्ष को नोटिस मिलने की तारीख के बारह (12) महीने के बाद प्रस्तुत क़रार समाप्त हो जायेगा, जब तक कि इस अवधि की समाप्ति के पहले ही समझौते के द्वारा क़रार समाप्त करने का यह नोटिस वापिस न ले लिया जाय । यदि क़रार करने वाले दूसरे पक्ष से नोटिस की प्राप्ति-सूचना न मिले तो यह मान लिया जायेगा कि जिस दिन यह नोटिस अन्तर्राष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन को मिला है उसके चौदह (14) दिन बाद क़रार करने वाले दूसरे पक्ष को भी मिल चुका है ।

इसके साक्ष्य में अपनी अपनी सरकार से इस विषय में उचित अधिकार प्राप्त निम्नलिखित पूर्णाधिकारियों ने प्रस्तुत क़रार पर हस्ताक्षर किये हैं ।

यह क़रार 19 सितम्बर 1960 को प्राग में हिन्दी, चेक और अंग्रेज़ी भाषाओं में दो-दो प्रतियों में किया गया, इसके तीनों पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं, परन्तु किसी प्रकार की शंका होने पर अंग्रेज़ी पाठ ही प्रामाणिक माना जायेगा ।

भारत सरकार
की ओर से

विजय कृष्ण
आचार्य

चेकोस्लोवाकिया समाजवादी
गणराज्य की सरकार की
ओर से

Karel Jech

अनुबंध

खण्ड 1

1. चेकोस्लोवाक समाजवादी गणराज्य की सरकार द्वारा नामज़द की गयी हवाई कम्पनी इस मार्ग पर चलेगी :

चेकोस्लोवाकिया, स्विटज़रलैण्ड में एक स्थान, दक्षिणपूर्वी यूरोप में अनेक स्थान, इटली में एक स्थान, संयुक्त अरब गणराज्य में अनेक स्थान, पश्चिमी एशिया में अनेक स्थान, पाकिस्तान में एक स्थान, भारत में एक स्थान, और भारत के परे ऐसे अनेक स्थान जिनके सम्बन्ध में क़रार करने वाले पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी सहमत हों ।

2. प्रस्तुत क़रार और उसके अनुबंध के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, चेकोस्लोवाक समाजवादी गणराज्य द्वारा नामज़द की गई हवाई कम्पनी को :

(क) चेकोस्लोवाकिया या दूसरे राज्यों को जाने वाले यात्री, माल और डाक को भारत में चढ़ाने का अधिकार होगा ;

(ख) चेकोस्लोवाकिया के भू-भाग या दूसरे राज्यों के भू-भाग से चढ़े यात्री माल और डाक को भारत में उतारने का अधिकार होगा ;

(ग) किसी भी निर्दिष्ट स्थान पर बिना उतरे बढ़ जाने का अधिकार होगा, बशर्ते कि व्यवस्थाएं चेकोस्लोवाकिया के भू-भाग में आरम्भ हों ।

खण्ड II

1. भारत सरकार द्वारा नामज़द की गयी हवाई कम्पनी इस मार्ग पर चलेगी :

भारत, पाकिस्तान में एक स्थान, पश्चिमी एशिया में अनेक स्थान, संयुक्त अरब गणराज्य में अनेक स्थान, इटली में एक स्थान, दक्षिण-पूर्वी यूरोप में अनेक स्थान, स्विटज़रलैण्ड में एक स्थान, चेकोस्लोवाकिया में एक स्थान, और चेकोस्लोवाकिया के परे ऐसे अनेक स्थान जिनके सम्बन्ध में क़रार करने वाले पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी सहमत हों ।

2. प्रस्तुत क़रार और उसके अनुबंध के उपबन्धों के अधीन रहते हुए भारत सरकार द्वारा नामज़द की गयी हवाई कम्पनी को :

(क) भारत या दूसरे राज्यों को जाने वाले यात्री, माल और डाक को चेकोस्लोवाकिया में चढ़ाने का अधिकार होगा ;

(ख) भारत के भू-भाग या दूसरे राज्यों के भू-भाग से चढ़े यात्री, माल और डाक को चेकोस्लोवाकिया में उतारने का अधिकार होगा ;

(ग) किसी भी निर्दिष्ट स्थान पर बिना उतरे बढ़ जाने का अधिकार होगा, बशर्ते कि व्यवस्थाएं भारत के भू-भाग में आरम्भ हों ।

खण्ड III

1. किसी भी सहमत हवाई व्यवस्था में टैरिफ़ उचित स्तर पर निश्चित किये जायेंगे और इसके लिये परिचालन के ख़र्च, उचित लाभ, व्यवस्था की विशेषताओं जैसे, गति और स्थान के स्तर तथा उसी मार्ग के किसी भाग के लिये अन्य हवाई कम्पनियों के टैरिफ़ आदि सभी संगत बातों का यथेष्ट ध्यान रखा जायेगा ।

2. टैरिफ़, क़रार करने वाले पक्षों की नामज़द हवाई कम्पनियों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संस्था की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए तय किये जायेंगे और वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के बाद लागू होंगे ।

3. यदि नामज़द हवाई कम्पनियां किसी समझौते पर न पहुंच सकें या यदि किसी एक वैमानिक प्राधिकारी द्वारा किसी टैरिफ़ का अनुमोदन न किया जा सके तो क़रार करने वाले पक्ष आपस में समझौता करने का प्रयत्न करेंगे, और यदि इसमें भी सफलता न मिले तो मामला प्रस्तुत क़रार के अनुच्छेद XI के उपबन्धों के अनुसार तय किया जायेगा ।

खण्ड IV

करार करने वाले पक्षों की नामज़द हवाई कम्पनियां निर्दिष्ट हवाई व्यवस्थाओं को आपस में वाणिज्यिक साझेदारी, प्रबन्ध अथवा किसी ऐसे दूसरे प्रबन्ध के अनुसार चलाएंगी जिस पर वे परस्पर सहमत हों। ऐसे परिचालन के वाणिज्यिक अथवा दूसरे पहलुओं पर पहले नामज़द हवाई कम्पनियां आपस में समझौता करेंगी और यह समझौता उनके अपने अपने वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के अधीन होगा।

D O H O D A

mezi vládou Indie a vládou Československé socialistické republiky o leteckých službách

Vláda Indie a vláda Československé socialistické republiky, dále nazývané "smluvní strany",

vedeny přáním uzavřít dohodu za účelem provozování leteckých služeb,

dohodly se takto:

Článek I

Smluvní strany si vzájemně poskytují práva stanovená v této Dohodě a její Příloze za účelem provozování dohodnutých leteckých služeb.

Článek II

1. Dohodnuté letecké služby mohou být zahájeny ihned nebo později podle přání smluvní strany, které se poskytují práva podle této Dohody a její Přílohy, a to za podmínky, že

a/ smluvní strana, které jsou práva poskytována, určí letecký podnik pro provozování dohodnutých leteckých služeb,

b/ druhá smluvní strana vydá určenému leteckému podniku příslušné provozní povolení.

2. Každá smluvní strana bude mít právo odmítnout určení leteckého podniku a odepřít nebo odvolat poskytnutí práv uvedených v této Dohodě a její Příloze leteckému podniku nebo stanovit pro výkon těchto práv takové podmínky, jaké považuje za nutné, nebude-li přesvědčena, že podstatná část vlastnictví a skutečné řízení určeného leteckého podniku patří druhé smluvní straně nebo jejím příslušníkům.

Článek III

1. Určený letecký podnik jedné smluvní strany bude mít právo používat na území druhé smluvní strany

a/ pro dopravní účely veřejná letiště v místech stanovených v Příloze k této Dohodě a veřejné pomocné služby na stanovených letových tratích,

b/ v případě nouze nebo potřeby diverzního přistání letiště a pomocné služby dosažitelné pro tento účel.

2. Zákony, předpisy a instrukce jedné smluvní strany, vztahující se na vstup nebo výstup letadel nebo leteckých služeb v mezinárodním leteckém provozu na její území nebo z jejího území nebo pro provoz těchto letadel nebo leteckých služeb na tomto území, budou platit pro letadla a dohodnuté letecké služby určeného leteckého podniku druhé smluvní strany.

Článek IV

1. Určený letecký podnik každé ze smluvních stran bude mít stejná a rovná práva pro provozování leteckých služeb mezi územími smluvních stran.

2. Kapacita, frekvence, typ letadla a druh letecké služby, jako průlet nebo ukončený let na území druhé smluvní strany, provozované určeným leteckým podnikem každé ze smluvních stran na stanovené letové trati, budou dohodnuty v prvé řadě mezi určenými leteckými podniky a nabudou účinnosti pouze po schválení leteckými úřady. Jestliže jedna ze smluvních stran neurčí letecký podnik, nebo určené letecké podniky se nemohou dohodnout, vynasnaží se o dohodu letecké úřady a v případě, že se jim to nepodaří, dohodnou se o věci smluvní strany.

3. Každé zvýšení kapacity či frekvence nebo změna v typu letadla nebo v druhu letecké služby, provozované určeným leteckým podnikem každé ze smluvních stran, budou dohodnuty v prvé řadě mezi určenými leteckými podniky a budou podléhat schválení leteckými úřady, a to hlavně na základě přepravních práv třetí a čtvrté svobody a jakýchkoliv dalších doplňkových přepravních práv, která by byla společně dohodnuta a určena. Jestliže jedna ze smluvních stran neurčí letecký podnik, nebo určené letecké podniky se nemohou dohodnout, vynasnaží se o dohodu letecké úřady a v případě, že se jim to nepodaří, dohodnou se o věci smluvní strany. Do dosažení takové dohody nebo ujednání zůstane v platnosti dosavadní úprava.

Článek V

Určený letecký podnik každé ze smluvních stran bude oprávněn udržovat na území druhé smluvní strany technický a obchodní personál v počtu považovaném smluvními stranami za přiměřený vzhledem k provozovaným leteckým službám.

Článek VI

1. Letecké úřady obou smluvních stran si budou vyměňovat informace o běžně vydávaných povoleních poskytovaných příslušnému určenému leteckému podniku k provozování leteckých služeb na území, přes území nebo z území druhé smluvní strany, včetně změn, doplňků a výjimek.

2. Každá smluvní strana zajistí u svého určeného leteckého podniku, aby poskytoval leteckým úřadům druhé smluvní strany co možná nejdříve vyhotovení letových řádů a tarifů, včetně všech změn, a všechny ostatní obvyklé informace týkající se provozování dohodnutých leteckých služeb včetně těch údajů, které mohou letecké úřady požadovat k prokázání, že podmínky této Dohody jsou řádně plněny.

3. Každá ze smluvních stran zajistí u svého určeného leteckého podniku, aby předkládal leteckému úřadu druhé smluvní strany statistické údaje o dopravě uskutečněné každý měsíc v leteckých službách na území nebo z území druhé smluvní strany a v místech nakládání a vykládání v této dopravě.

Článek VII

Zásoby pohonných látek, mazací oleje, náhradní součástky, obvyklé vybavení letadla a letecké zásoby dovážené nebo vzaté na palubu letadla na území jedné smluvní strany podnikem určeným druhou smluvní stranou a zůstávající na palubě při odletu z posledního místa přistání na tomto území, budou pokud se týká celních dávek, inspekčních poplatků a podobných dávek, podrobeny neméně výhodnému postupu, než jaký je uplatňován druhou smluvní stranou vůči jiným cizím leteckým podnikům vykonávajícím obdobné mezinárodní letecké služby. Žádná ze smluvních stran

nebude však povinna povolit určenému leteckému podniku druhé smluvní strany osvobození nebo úlevu v celních dávkách, inspekčních poplatcích nebo podobných dávkách, jestliže tato druhá smluvní strana nepovoluje osvobození nebo úlevu z těchto dávek určenému leteckému podniku první smluvní strany.

Článek VIII

Každá ze smluvních stran si vyhrazuje právo odepřít nebo odvolat povolení k provozu nebo stanovit pro provoz takové podmínky, které bude pokládat za nutné, v případě, že určený letecký podnik druhé smluvní strany se neřídí zákony a předpisy první smluvní strany nebo v případě, když podle názoru této smluvní strany nejsou plněny podmínky, za kterých jsou poskytována práva podle této Dohody. Nejde-li o případ porušování zákonů a předpisů, bude takové opatření učiněno teprve po projednání mezi smluvními stranami.

Článek IX

Aby bylo zajištěno dodržování zásad a plnění ustanovení uvedených v této Dohodě, budou letecké úřady obou smluvních stran konat konzultace, požádají-li o to letecké úřady kterékoliv smluvní strany. Tyto konzultace započnou do šedesáti dnů ode dne doručení žádosti.

Článek X

1. Každá smluvní strana může kdykoliv navrhnout druhé smluvní straně jakoukoliv změnu této Dohody, kterou považuje za nutnou, přičemž jednání o navržené změně musí být zahájeno do šedesáti dnů ode dne doručení žádosti druhé smluvní straně.

2. Považuje-li některý z leteckých úřadů za nutné změnit Přílohu k této Dohodě, mohou se letecké úřady obou smluvních stran přímo dohodnout o provedení takové změny. Ustanovení stanovená v odstavci 1 tohoto článku pro zahájení jednání o změnách Dohody platí v případě změn Přílohy.

3. Všechny změny této Dohody dohodnuté jednáním podle odstavce 1 tohoto článku nabudou účinnosti, jakmile budou potvrzeny výměnou diplomatických nót mezi smluvními stranami.

Článek XI

1. Vznikne-li jakýkoliv spor mezi smluvními stranami o výkladu nebo provádění této Dohody, vyřeší jej smluvní strany vzájemným jednáním.

2. Vznikne-li jakýkoliv spor o výkladu nebo provádění Přílohy k této Dohodě, vynasnaží se o jeho vyřešení letecké úřady smluvních stran vzájemným jednáním a v případě, že se to nepodaří, bude spor předložen k vyřešení smluvním stranám.

3. Jestliže se smluvním stranám nepodaří vyřešit spor jednáním, může každá ze smluvních stran omezit, odepřít nebo odvolat kterákoliv práva poskytovaná na základě této Dohody.

Článek XII

Pro účely této Dohody:

a/ výrazy "území", "letecká služba", "mezinárodní letecká služba" a "letecký podnik" budou mít význam stanovený pro ně v Úmluvě o mezinárodním civilním letectví, otevřené k podpisu v Chicagu dne 7.prosince 1944;

Sčt 02 - 8 0223 57

b/ výraz "letecké úřady" bude znamenat v případě Československé socialistické republiky ministerstvo dopravy a spojů - letecký odbor a v případě Indie Generálního ředitele indického civilního letectví a v obou případech jakýkoliv útvar nebo osobu oprávněné vykonávat funkce, které jsou v současné době vykonávány uvedenými orgány;

c/ výrazy "dohodnuté letecké služby" a "stanovené letové tratě" budou znamenat mezinárodní letecké služby a tratě uvedené v Příloze k této Dohodě;

d/ výraz "určený letecký podnik" bude znamenat letecký podnik, který jedna smluvní strana označila druhé smluvní straně jako podnik, který bude provozovat dohodnuté letecké služby.

Článek XIII

Příloha k této Dohodě bude považována za součást Dohody a veškeré odkazy na "Dohodu" budou znamenat rovněž odkazy na "Přílohu", pokud není výslovně stanoveno jinak.

Článek XIV

1. Tato Dohoda podléhá ratifikaci nebo schválení v souladu s ustanoveními smluvních stran a výměna ratifikační listiny a nóty o schválení bude provedena co možná nejdříve.

2. Tato Dohoda nabude platnosti dnem výměny ratifikační listiny a nóty o schválení.

3. Každá ze smluvních stran může kdykoliv oznámit druhé smluvní straně svůj úmysl vypovědět tuto Dohodu. Toto oznámení bude současně sděleno Mezinárodní organizaci pro civilní letectví. Je-li dána taková výpověď, skončí platnost Dohody dvanáct /12/ měsíců ode dne, kdy druhá

Sčt 02 - 8 0223 57

smluvní strana obdrží oznámení výpovědi, pokud oznámení o výpovědi není po vzájemné dohodě vzato zpět před uplynutím této doby. Nebude-li druhou smluvní stranou potvrzeno přijetí výpovědi, bude oznámení o výpovědi považováno za doručené čtrnáct /14/ dní ode dne, kdy oznámení bylo doručeno Mezinárodní organizaci pro civilní letectví.

Na důkaz toho podepsaní zmocněnci, kteří k tomu byli náležitě zmocněni svými vládami, podepsali tuto Dohodu.

Dáno v Praze dne 19. září 1960 ve dvojím vyhotovení v jazyce hindi, českém a anglickém, přičemž všechna tři znění mají stejnou platnost s výjimkou případu pochybnosti, kdy je rozhodující anglické znění.

Za vládu Indie:	Za vládu Československé socialistické republiky:
B.K. Acharya	Karel Lešek

P Ř Í L O H A

Oddíl I

1. Letecký podnik určený vládou Československé socialistické republiky bude provozovat tuto trať:

Československo - místo ve Švýcarsku, místa v jihovýchodní Evropě, místo v Itálii, místa ve Sjednocené arabské republice, místa v západní Asii, místo v Pakistánu, místo v Indii a ta místa dále za Indií, která by byla dohodnuta leteckými úřady smluvních stran.

2. Za podmínek stanovených touto Dohodou a její Přílohou bude mít letecký podnik určený vládou Československé socialistické republiky:

a/ právo nakládat v Indii cestující, zboží a poštu určené do Československa nebo do jiných států;

b/ právo vykládat v Indii cestující, zboží a poštu naložené na československém území nebo na území jiných států;

c/ právo vynechávat přistání na kterémkoliv uvedeném místě, pokud služby budou začínat na československém území.

Oddíl II

1. Letecký podnik určený vládou Indie bude provozovat tuto trať:

Indie - místo v Pakistánu, místa v západní Asii, místa ve Sjednocené arabské republice, místo v Itálii, místa v jihovýchodní Evropě, místo ve Švýcarsku, místo v Československu a ta místa dále za Československem, která by byla dohodnuta leteckými úřady smluvních stran.

2. Za podmínek stanovených touto Dohodou a její Přílohou bude mít letecký podnik určený vládou Indie:

a/ právo nakládat v Československu cestující, zboží a poštu určené do Indie nebo do jiných států;

b/ právo vykládat v Československu cestující, zboží a poštu naložené na indickém území nebo na území jiných států;

c/ právo vynechávat přistání na kterémkoliv uvedeném místě, pokud služby budou začínat na indickém území.

Oddíl III

1. Tarify u kterékoliv dohodnuté letecké služby budou stanoveny v přiměřené výši se zřetelem ke všem důležitým činitelům, včetně provozních nákladů, přiměřeného zisku, význačných rysů služby, jako je úroveň rychlosti a pohodlí, a tarifů jiných leteckých podniků v kterékoliv části stejné tratě.

Sčt 02 - 8 0223 57

2. Tarify budou dohodnuty mezi určenými leteckými podniky smluvních stran s přihlédnutím k doporučením Mezinárodního sdružení leteckých dopravců a nabudou účinnosti po schválení leteckými úřady.

3. Nemůže-li být dosaženo dohody mezi určenými leteckými podniky nebo neschválí-li tarif jeden z leteckých úřadů, vynasnaží se o dohodu smluvní strany; nedospěje-li se ani takto k dohodě, bude dále postupováno podle ustanovení článku XI této Dohody.

Oddíl IV

Uvedené letecké služby budou provozovány určenými leteckými podniky smluvních stran v rámci ujednání o vzájemné obchodní spolupráci nebo jiného ujednání, na kterém by se podniky dohodly. Obchodní a jiné otázky tohoto provozu budou dohodnuty v prvé řadě mezi určenými leteckými podniky a dohoda o tom bude podléhat schválení příslušných leteckých úřadů.

Sčt 02 - 8 0223 57

AGREEMENT BETWEEN THE GOVERNMENT OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF THE CZECHOSLOVAK SOCIALIST REPUBLIC RELATING TO AIR SERVICES.

The Government of India and the Government of the Czechoslovak Socialist Republic, hereinafter referred to as the "Contracting Parties",

DESIRING to conclude an agreement for the operation of air services,

HAVE AGREED as follows :-

Article I

The Contracting Parties mutually grant the rights specified in the present Agreement and in the Annex thereto, for the purpose of operating agreed air services.

Article II

1. Agreed air services may be inaugurated immediately or at a later date at the option of the Contracting Party, to whom the rights under this Agreement and the Annex thereto are granted, on condition that

(a) the Contracting Party, to whom the rights are granted, designates an airline for operating agreed air services;

(b) the other Contracting Party shall issue to the designated airline the appropriate operating permission.

-/-

2. Either Contracting Party shall have the right to refuse to accept the designation of an airline and to withhold or revoke the grant to an airline of the rights specified in the present Agreement and the Annex thereto or to impose such conditions on the exercise of those rights, as it may be considered necessary, in any case in which it is not satisfied that substantial ownership and effective control of the designated airline are vested in the other Contracting Party or its nationals.

Article III

1. The designated airline of one Contracting Party shall have the right to use in the territory of the other Contracting Party

(a) for traffic purposes the airports provided for public use at the points specified in the Annex to this Agreement and the aids provided for public use on the specified air routes;

(b) in emergency or necessity of diversional landing, the airports and aids available for this purpose.

2. The laws, regulations and instructions of one Contracting Party relating to entry into or departure from its territory of aircraft or air services operating in international air navigation or to the operation of such aircraft or air services while within its territory shall apply to aircraft and agreed air services of the designated airline of the other Contracting Party.

Article IV

1. The designated airline of each Contracting Party shall enjoy fair and equal rights for the operation of air services between the territories of the Contracting Parties.

2. The capacity, frequency, type of aircraft and the nature of air service, such as transiting through or terminating in the territory of the other Contracting Party, operated by the designated airline of either Contracting Party on the specified air route, shall be agreed in the first instance between the designated airlines and shall be effective only upon the approval of the aeronautical authorities. If one Contracting Party has not designated an airline, or the designated airlines are unable to come to an agreement, the aeronautical authorities shall endeavour to come to an agreement, failing which the matter shall be settled by the Contracting Parties.

3. Any increase in capacity or frequency or change in the type of aircraft or nature of the air services operated by the designated airline of either Contracting Party shall be agreed, in the first instance, between the designated airlines, and shall be subject to the approval of aeronautical authorities on the basis of mainly third and fourth freedom traffic and any other subsidiary traffic to be jointly agreed and determined. In the event of one Contracting Party not having designated an airline, or the designated airlines being unable to come to an agreement, the aeronautical authorities shall endeavour to come to an agreement, failing

-/-

which the matter shall be settled by the Contracting Parties. Pending such agreement or settlement, the arrangements already in force shall prevail.

Article V

The designated airline of each Contracting Party shall be entitled to keep on the territory of the other Contracting Party such number of technical and commercial personnel as may be considered adequate by the Contracting Parties for the air services operated.

Article VI

1. The aeronautical authorities of both Contracting Parties shall exchange information on current authorisations extended to their respective designated airline for operation of air services into, through or from, the territory of the other Contracting Party, including changes, amendments and exemptions.

2. Each Contracting Party shall cause its designated airline to provide to the aeronautical authorities of the other Contracting Party as promptly as possible copies of timetables and tariff schedules including any modification thereof and all other usual information concerning the operation of agreed air services including those data as may be required to satisfy the aeronautical authorities that conditions of present Agreement are being duly observed.

3. Each Contracting Party shall cause its designated airline to provide to the aeronautical authorities of the other Contracting Party statistical data relating to the traffic carried during each

month on their air services to, or from the territory of the other Contracting Party and the points of embarkation and disembarkation of such traffic.

Article VII

Supplies of fuel, Lubricating oils, spare parts, regular equipment and aircraft stores introduced into or taken on board aircraft of the designated airline of one Contracting Party in the territory of the other Contracting Party and remaining on board on departure from the last airport of call in that territory shall be accorded, with respect to customs duty, inspection fees or similar charges, treatment not less favourable than that granted by the second Contracting Party to other foreign airlines engaged in similar international services: Provided that neither Contracting Party shall be obliged to grant to the designated airline of the other Contracting Party exemption or remission of customs duty, inspection fees or similar charges unless such other Contracting Party grants exemption or remission of such charges to the designated airline of the first Contracting Party.

Article VIII

Each Contracting Party reserves the right to itself to withhold or revoke, or impose such appropriate conditions as it may deem necessary with respect to an operating permission, in case of failure by a designated airline of the other party, to comply with the laws and regulations of

the former party, or in case, in the judgment of the former party, there is a failure to fulfil the conditions under which the rights are granted in accordance with this Agreement. Except in case of a failure to comply with laws and regulations, such action shall be taken only after consultation between the parties.

Article IX

With a view to ensuring the observance of the principles and the implementation of the provisions specified in the present Agreement, the aeronautical authorities of both Contracting Parties shall hold consultations, if so required by the aeronautical authorities of either Contracting Party. Such consultations shall commence within 60 days from the date of receipt of the request.

Article X

1. Either Contracting Party may at any time suggest to the other Contracting Party any modification of the present Agreement, which it may consider necessary, whereby the discussions of the proposed change must be opened within 60 days from the date of receipt of the request by either Contracting Party.

2. If either of the Aeronautical Authorities consider it necessary to amend the Annex to the present Agreement, the Aeronautical Authorities of both Contracting Parties may agree on such amendments amongst themselves. The provisions stipulated in paragraph 1 above, for initiating amendments to the Agreement shall apply in the case of amendments to the Annex.

3. Any modification of this Agreement agreed

as a result of discussions pursuant to paragraph 1 of this Article shall come into effect when it has been confirmed by an exchange of Diplomatic Notes between the Contracting Parties.

Article XI

1. If any dispute arises between the Contracting Parties relating to the interpretation or application of the present Agreement, the Contracting Parties shall settle it by negotiation between themselves.

2. If any dispute arises relating to the interpretation or application of the Annex to the present Agreement, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall endeavour to settle it by negotiation between themselves, failing which the dispute shall be referred to the Contracting Parties for settlement.

3. If the Contracting Parties fail to settle the dispute by negotiations, then either Contracting Party may limit, withhold or revoke any rights which it has granted by virtue of the present Agreement.

Article XII

For the purpose of this Agreement

(a) the terms "territory", "air service", "international air service", "airline" shall have the meanings respectively assigned to them in the Convention on International Civil Aviation opened for signature at Chicago on the 7th day of December 1944.

(b) the term "aeronautical authorities"

shall mean in the case of Czechoslovak Socialist Republic, The Ministry of Transport and Communications/- Department of Civil Aviation and in the case of India, The Director General of Civil Aviation, India, and in both cases any body or person entitled to perform the functions presently exercised by the above mentioned authorities;

(c) the term "agreed air services" and "specified routes" shall mean the international air services and the routes specified in the Annex to this Agreement;

(d) the term "designated airline" shall mean the airline that one Contracting Party has notified to the other Contracting Party to be the airline which will operate the agreed air services.

Article XIII

The Annex to this Agreement shall be considered as part of the Agreement and all references to the "Agreement" shall mean also references to "Annex" unless otherwise explicitly specified.

Article XIV

1. The present Agreement shall be subject to ratification or approval in accordance with the procedures of the Contracting Parties and the instrument of ratification and the note of approval shall be exchanged as soon as possible.

2. The present Agreement shall come into

-/-

force on the date of exchange of instrument of ratification and the note of approval.

3. Either Contracting Party may at any time give notice to the other of its desire to terminate the present Agreement. Such notice shall be simultaneously communicated to the International Civil Aviation Organisation. If such notice is given, the present Agreement shall terminate twelve (12) months after the date of receipt of the notice by the other Contracting Party, unless the notice to terminate is withdrawn by agreement before the expiry of this period. In the absence of acknowledgment of receipt by the other Contracting Party, notice shall be deemed to have been received fourteen (14) days after the receipt of the notice by the International Civil Aviation Organisation.

IN WITNESS WHEREOF, the undersigned Plenipotentiaries, having been duly authorised to that effect by their respective Governments have signed the present Agreement.

Done at Prague in duplicate the **Nineteenth** day of **September, 1960** in Hindi, Czech and English languages, all three texts being equally authentic except in the case of doubt, when the English text shall prevail.

For the Government of India

B. K. Acharya

For the Government of the Czechoslovak Socialist Republic

Karel Šebek

A N N E X

Section I

1. The route to be operated by the airline designated by the Government of the Czechoslovak Socialist Republic shall be:

Czechoslovakia, point in Switzerland, points in Southeast Europe, point in Italy, points in United Arab Republic, points in West Asia, point in Pakistan, point in India, and to such points beyond India as may be agreed by the aeronautical authorities of the Contracting Parties.

2. Subject to the provisions of the present Agreement and the Annex thereto, the airline designated by the Government of Czechoslovak Socialist Republic shall have:

(a) the right to embark in India passengers, cargo and mail destined to Czechoslovakia or to other States;

(b) the right to disembark in India passengers, cargo and mail embarked on Czechoslovak territory or on territory of other States;

(c) the right to omit landing at any specified point provided that the services shall commence in the Czechoslovak territory.

Section II

1. The route to be operated by the airline designated by the Government of India shall be:

India, point in Pakistan, points in West Asia, points in United Arab Republic, point in Italy, points in Southeast Europe, point in Switzerland, point in Czechoslovakia and to such points beyond Czechoslovakia as may be agreed by the aeronautical authorities of the Contracting Parties.

2. Subject to the provisions of the present Agreement and the Annex thereto, the airline designated by the Government of India shall have:

(a) the right to embark in Czechoslovakia passengers, cargo and mail destined to India or to other States;

(b) the right to disembark in Czechoslovakia passengers, cargo and mail embarked on Indian territory or on territory of other States;

(c) the right to omit landing at any specified point provided that the services shall commence in the Indian territory.

Section III

1. The tariffs on any agreed air service shall be established at reasonable levels, due regard being paid to all relevant factors including cost of operation, reasonable profit, characteristics of service such as standards of speed and accommodation and the tariffs of other airlines for any part of the same route.

2. The tariffs shall be agreed between designated airlines of the Contracting Parties with regard to recommendations of the International Air Transport Association and shall become effective after approval by the aeronautical authorities.

3. If designated airlines cannot reach any agreement or if a tariff cannot be approved by one of the aeronautical authorities, the Contracting Parties shall endeavour to come to an agreement, failing which the matter shall be settled in accordance with the provisions of Article XI of the present Agreement.

Section IV

The specified air services shall be operated by the designated airlines of the Contracting Parties in a commercial partnership arrangement or such other arrangement between them as may be mutually agreed. The commercial and other aspects of such operation shall, in the first instance, be agreed between the designated airlines and such agreement will be subject to the approval of the respective aeronautical authorities.